नामांकन और अधिगम रिपोर्ट कार्ड

ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट 2013 से

Annual Status of Education Report
असर ASER 2013 RURAL
Facilitated by PRATHAM

भारत ग्रामीण

विश्लेषण 327,397 घरों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित हैं। 585 में से 550 ज़िले।

विद्यालय में नामांकित और विद्यालय नहीं जा रहे बच्चे

टेबल 1: विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में % बच्चे 2013

आयुवर्ग	सरकारी	निजी	अन्य	विद्यालय नहीं जा रहे	कुल
आयुवर्ग: 6-14 सभी	66.8	29.0	1.0	3.3	100
आयुवर्ग: 7-16 सभी	64.5	28.9	0.9	5.7	100
आयुवर्ग: 7-10 सभी	67.9	29.0	1.1	2.0	100
आयुवर्ग: 7-10 लड़के	64.8	32.3	1.0	1.9	100
आयुवर्ग: 7-10 लड़कियाँ	71.3	25.4	1.2	2.1	100
आयुवर्ग: 11-14 सभी	65.3	28.8	0.8	5.1	100
आयुवर्ग: 11-14 लड़के	62.5	32.1	0.8	4.7	100
आयुवर्ग: 11-14 लड़कियाँ	68.4	25.3	0.8	5.5	100
आयुवर्ग: 15-16 सभी	53.6	29.0	0.6	16.8	100
आयुवर्ग: 15-16 लड़के	52.4	30.8	0.5	16.4	100
आयुवर्ग: 15-16 लड़कियाँ	54.8	27.3	0.8	17.2	100

नोट: 'अन्य' में मदरसों और EGS में पढ़ रहे बच्चे शामिल हैं।
'विद्यालय नहीं जा रहे' = ड्रॉप आउट + कभी नामांकन नहीं हुआ

चार्ट 1: समय के साथ बदलाव
% बच्चे जो विद्यालय नहीं जा रहे (आयुवर्ग और लिंग के अनुसार) 2006-2013

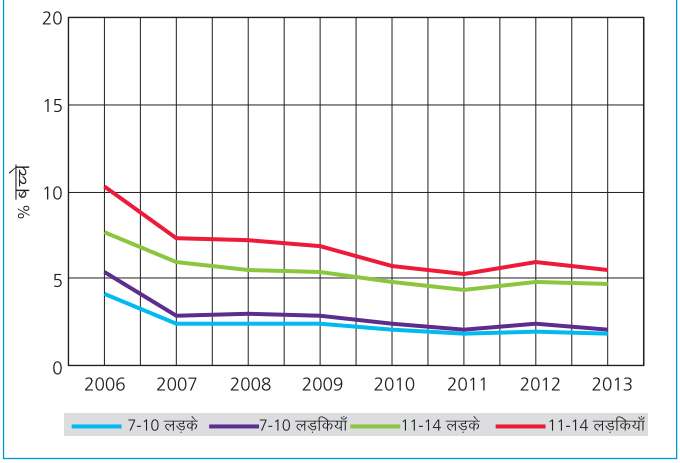

यह चार्ट कैसे पढ़ें: प्रत्येक रेखा बच्चों के एक विशिष्ट उप समूह के लिए विद्यालय नहीं जा रहे बच्चों के % में आए बदलाव को दर्शाती है। उदाहरण के लिए, आयुवर्ग 11-14 की कुल लड़कियों में उन लड़कियों का % जो विद्यालय नहीं जा रहीं 2006 में 10.3% था, 2010 में 5.7% था, 2012 में 6% था और 2013 में 5.8% है।

चार्ट 2: समय के साथ बदलाव
कक्षा I-V और कक्षा VI-VIII के उन बच्चों का % जो निजी विद्यालयों में नामांकित हैं 2009, 2011 और 2013

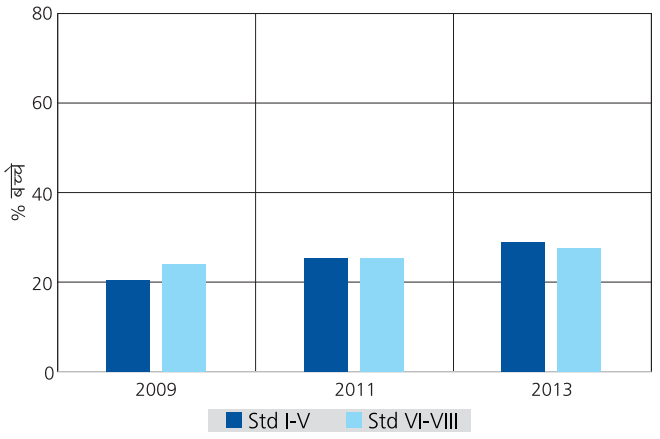

टेबल 2: सैम्पल विवरण
प्रत्येक कक्षा के लिए आयु के अनुसार बच्चों का % 2013

कक्षा	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	कुल
I	24.5	41.7	20.5	8.0	5.3								100
II	3.9	14.1	39.1	28.2	6.8	5.1	2.9						100
III	4.0		13.3	40.8	23.5	11.5	6.9						100
IV	5.1			14.9	33.4	31.9	6.5	5.5	2.8				100
V	5.7				9.2	42.8	24.2	11.6	6.6				100
VI	4.1					14.0	33.2	33.4	9.4	5.9			100
VII	5.6						9.8	41.1	29.5	9.3	4.8		100
VIII	4.4							15.1	41.9	27.0	8.3	3.3	100

यह टेबल कैसे पढ़ें: यदि कोई बच्चा 6 वर्ष की आयु से कक्षा I में स्कूली शिक्षा प्रारंभ करता है तो उसकी आयु कक्षा III में 8 वर्ष होनी चाहिए। यह टेबल हर कक्षा के लिए आयु वितरण दर्शाता है। उदाहरण के लिए, कक्षा III में, 40.8% बच्चे 8 वर्ष के हैं परन्तु 13.3% बच्चे ऐसे हैं जो 7 वर्ष के हैं, 23.5% बच्चे ऐसे हैं जो 9 वर्ष के हैं, 11.5% बच्चे ऐसे हैं जो 10 वर्ष के हैं और 6.9% बच्चे ऐसे हैं जिनकी आयु 10 वर्ष से अधिक है।

विद्यालय एवं पूर्व प्राथमिक विद्यालय में छोटे बच्चे

टेबल 3: 3-6 आयुवर्ग के बच्चों का % जो विभिन्न प्रकार के पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित हैं 2013

	बालवाड़ी या आँगनवाड़ी में	एल.के.जी./ यू.के.जी. में	विद्यालय में			विद्यालय या पूर्व प्राथमिक विद्यालय में नहीं	कुल
			सरकारी	निजी	अन्य		
आयु 3	56.8	7.7				35.5	100
आयु 4	54.8	21.9				23.3	100
आयु 5	21.5	12.9	35.4	19.6	1.0	9.7	100
आयु 6	6.0	7.1	56.4	24.4	1.0	5.1	100

नोट: 3 और 4 वर्ष के बच्चों के लिए केवल पूर्व प्राथमिक विद्यालय में नामांकन स्थिति की जानकारी दर्ज की जाती है।

असर के बारे में

2005 से हर वर्ष, प्रथम भारत में एक अनोखा प्रयास सुगमित कर रहा है: ऐन्युअल स्टेटस ऑफ एज्युकेशन रिपोर्ट (असर) कार्यान्वित करने का।

यह विशाल वार्षिक घरेलू सर्वेक्षण नागरिकों द्वारा किया जाता है और देश के हर ग्रामीण ज़िले में बच्चों के एक निरूपक सैम्पल तक पहुँचता है। सरल जाँच सामग्री का प्रयोग करते हुए, बच्चों से बुनियादी पढ़ने और गणित के कार्य करने के लिए कहा जाता है। उनसे यह भी पूछा जाता है कि क्या वे विद्यालय में नामांकित हैं। हर ज़िले में असर एक स्थानीय संगठन या संस्थान द्वारा किया जाता है।

असर 2013 550 ज़िलों, 15,941 गाँवों, 327,397 घरों और 569,664 बच्चों तक पहुँचा। 500 से अधिक स्थानीय संगठनों और 25,000 स्वयंसेवकों ने इस प्रयास में भाग लिया।

पढ़ना

टेबल 4: प्रत्येक कक्षा के लिए पढ़ने के स्तर के अनुसार बच्चों का % सभी विद्यालय 2013

कक्षा	अक्षर भी नहीं	अक्षर	शब्द	स्तर 1 (कक्षा I स्तर का पाठ)	स्तर 2 (कक्षा II स्तर का पाठ)	कुल
I	47.3	32.3	12.6	4.4	3.6	100
II	23.1	33.4	20.8	11.8	11.0	100
III	12.7	25.0	22.2	18.5	21.6	100
IV	8.0	17.6	17.9	21.5	35.1	100
V	5.0	12.6	14.2	21.2	47.0	100
VI	3.0	9.0	10.8	20.1	57.1	100
VII	2.0	6.3	8.2	17.0	66.6	100
VIII	1.4	4.5	5.5	14.3	74.2	100
कुल	14.1	18.5	14.4	15.8	37.2	100

यह टेबल कैसे पढ़ें: प्रत्येक कोष्ठक बच्चे के पढ़ने के उच्चतम स्तर को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, कक्षा III में 12.7% बच्चे अक्षर भी नहीं पढ़ सकते, 25% बच्चे अक्षर पढ़ सकते हैं परन्तु उससे अधिक नहीं, 22.2% बच्चे शब्द पढ़ सकते हैं परन्तु कक्षा I के स्तर का पाठ या उससे अधिक नहीं, 18.5% बच्चे कक्षा I के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं परन्तु कक्षा II के स्तर का पाठ नहीं और 21.6% बच्चे कक्षा II के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं। प्रत्येक कक्षा के लिए इन सभी श्रेणियों का योग 100% है।

पढ़ने की जाँच सामग्री

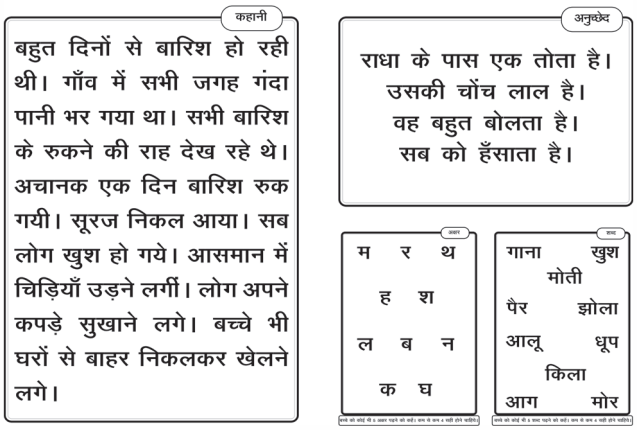

टेबल 5: समय के साथ बदलाव
कक्षा III और V के उन बच्चों का % जो पढ़ने के विभिन्न स्तर पर हैं विद्यालय प्रकार के अनुसार 2009-2013

वर्ष	कक्षा III के उन बच्चों का % जो कम से कम कक्षा I के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं			कक्षा V के उन बच्चों का % जो कक्षा II के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं		
	सरकारी	निजी	सरकारी और निजी*	सरकारी	निजी	सरकारी और निजी*
2009	43.8	58.2	46.6	50.3	63.1	52.9
2010	42.5	57.6	45.7	50.7	64.2	53.7
2011	35.2	56.3	40.4	43.8	62.7	48.3
2012	32.4	55.3	38.8	41.7	61.2	46.9
2013	32.6	59.6	40.2	41.1	63.3	47.0

*यह केवल सरकारी और निजी विद्यालयों का भारित औसत है।

चार्ट 3: समय के साथ बदलाव
कक्षा के अनुसार उन बच्चों का % जो कक्षा II के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं सभी विद्यालय 2009, 2011 और 2013

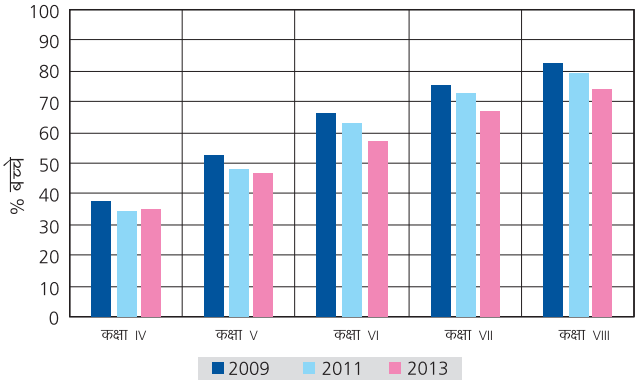

साथ दिए गए चार्ट (चार्ट 3) को समझने के लिए कई बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए:

असर के पढ़ने की जाँच सामग्री में सबसे उच्चतम स्तर कक्षा II के स्तर के पाठ को पढ़ने की क्षमता है। असर की जाँच एक "बुनियादी" जाँच है। सभी बच्चों (आयु 5 से 16) का मूल्यांकन एक जैसी जाँच सामग्री से किया जाता है; असर में ग्रेड–स्तर की जाँच सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाता है।

हम देख सकते हैं कि बढ़ती कक्षाओं के साथ ऐसे बच्चों का अनुपात बढ़ता है जो कम से कम कक्षा II के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं। प्रत्येक वर्ष (जिसके लिए आँकड़े दिए गए हैं) के लिए यह बात सच है।

कक्षा VIII तक, जब बच्चे आठ वर्ष का स्कूली शिक्षण पूरा कर लेते हैं, बच्चों का एक बड़ा अनुपात कक्षा II के स्तर का पाठ पढ़ सकता है। यह संभव है कि आठवीं कक्षा के बहुत सारे बच्चे उच्चतर स्तर के पाठ पढ़ सकते हों परन्तु असर के पढ़ने की जाँच में कक्षा II के स्तर से उच्चतर स्तरों के लिए मूल्यांकन नहीं किया जाता।

यह चार्ट विभिन्न वर्षों में विभिन्न कक्षाओं के लिए उन बच्चों के अनुपातों की तुलना करने में सहायक है जो कम से कम कक्षा II के स्तर के पाठ को पढ़ सकते हैं। उदाहरण के लिए 2009, 2011 और 2013 के लिए कक्षा V देखें।

गणित

टेबल 6: प्रत्येक कक्षा के लिए गणित के स्तर के अनुसार बच्चों का %
सभी विद्यालय 2013

कक्षा	9 तक अंक पहचान नहीं	संख्या पहचानते हैं		घटाव कर सकते हैं	भाग कर सकते हैं	कुल
		1-9	10-99			
I	41.6	36.6	17.5	3.2	1.2	100
II	17.7	37.8	31.2	10.3	3.0	100
III	8.6	30.1	35.3	18.7	7.4	100
IV	5.2	21.0	32.8	25.3	15.8	100
V	3.3	15.0	29.5	26.7	25.6	100
VI	2.0	10.7	28.2	26.5	32.6	100
VII	1.4	7.5	26.4	26.0	38.8	100
VIII	1.0	5.5	23.2	24.3	46.0	100
कुल	11.2	21.6	27.9	19.5	19.8	100

यह टेबल कैसे पढ़ें: प्रत्येक कोष्ठक बच्चे के गणित करने के उच्चतम स्तर को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, कक्षा III में 8.6% बच्चे 9 तक अंक भी नहीं पहचान सकते, 30.1% बच्चे 9 तक अंक पहचान सकते हैं परन्तु उससे अधिक नहीं, 35.3% बच्चे 99 तक संख्या पहचान सकते हैं परन्तु घटाव नहीं कर सकते, 18.7% बच्चे घटाव कर सकते हैं परन्तु भाग नहीं और 7.4% बच्चे भाग का प्रश्न हल कर सकते हैं। प्रत्येक कक्षा के लिए इन सभी श्रेणियों का योग 100% है।

गणित की जाँच सामग्री

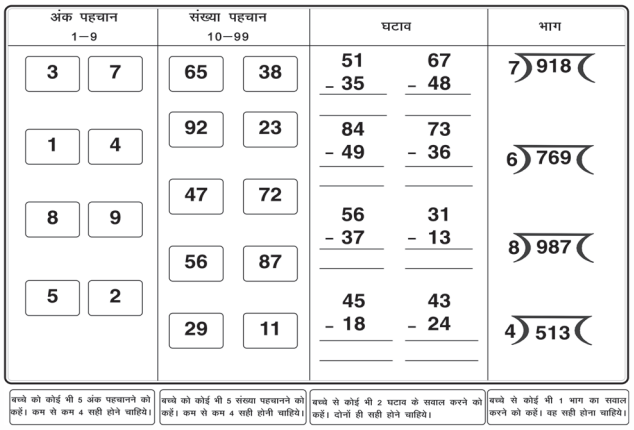

टेबल 7: समय के साथ बदलाव
कक्षा III और V के उन बच्चों का % जो क्रमशः कम से कम घटाव और भाग कर सकते हैं
विद्यालय प्रकार के अनुसार 2009-2013

वर्ष	कक्षा III के उन बच्चों का % जो कम से कम घटाव कर सकते हैं			कक्षा V के उन बच्चों का % जो भाग कर सकते हैं		
	सरकारी	निजी	सरकारी और निजी*	सरकारी	निजी	सरकारी और निजी*
2009	36.5	49.7	39.1	36.1	46.2	38.1
2010	33.2	47.8	36.3	33.9	44.2	36.2
2011	25.2	44.6	30.0	24.5	37.7	27.6
2012	19.8	43.4	26.4	20.3	37.8	24.9
2013	18.9	44.6	26.1	20.8	38.9	25.6

*यह केवल सरकारी और निजी विद्यालयों का भारित औसत है।

चार्ट 4: समय के साथ बदलाव
कक्षा के अनुसार उन बच्चों का % जो भाग कर सकते हैं
सभी विद्यालय 2009, 2011 और 2013

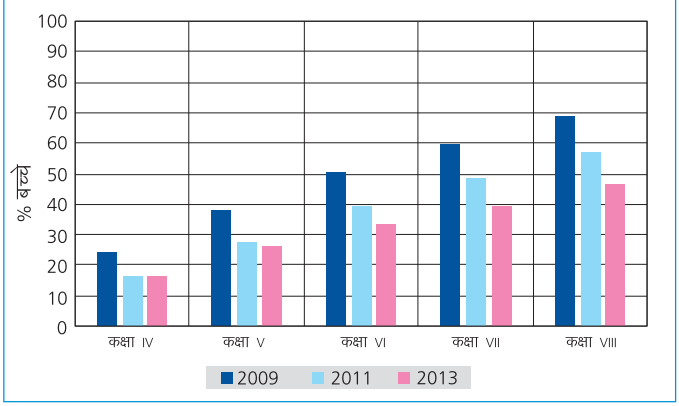

साथ दिए गए चार्ट (चार्ट 4) को समझने के लिए कई बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए:

असर की गणित की जाँच में सबसे उच्चतम स्तर भाग के प्रश्न (तीन अंको की संख्या का एक अंक से भाग) को हल करने की क्षमता है। भारत के अधिकांश राज्यों में, कक्षा III या IV में बच्चों से ऐसे प्रश्नों को हल करने की अपेक्षा की जाती है। असर में बच्चों के मूल्यांकन के लिए ग्रेड–स्तर की जाँच सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाता है।

हम देख सकते हैं कि बढ़ती कक्षाओं के साथ ऐसे बच्चों का अनुपात बढ़ता है जो इस स्तर के भाग का प्रश्न हल कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ष (जिसके लिए आँकड़े दिए गए हैं) के लिए यह बात सच है।

कक्षा VIII तक, जब बच्चे आठ वर्ष का स्कूली शिक्षण पूरा कर लेते हैं, बच्चों का एक बड़ा अनुपात इस स्तर के भाग के प्रश्न को हल कर सकता है। यह संभव है कि बहुत सारे बच्चे उच्चतर स्तर की संक्रियाओं को हल कर सकते हों परन्तु असर की गणित की जाँच में इस स्तर के भाग के प्रश्न से उच्चतर स्तरों के प्रश्नों के लिए मूल्यांकन नहीं किया जाता।

यह चार्ट विभिन्न वर्षों में विभिन्न कक्षाओं के लिए उन बच्चों के अनुपातों की तुलना करने में सहायक है जो भाग के प्रश्न को हल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए 2009, 2011 और 2013 के लिए कक्षा V देखें।

राज्यों का प्रदर्शन

टेबल 8: विद्यालय में नामांकन, ट्यूशन और शिक्षण स्तर 2013

राज्य	विद्यालय नहीं जा रहे	निजी विद्यालय	ट्यूशन		कक्षा III-V: शिक्षण स्तर		कक्षा VI-VIII: शिक्षण स्तर	
	% बच्चे (आयु 6-14) जो विद्यालय नहीं जा रहे	% बच्चे (आयु 6-14) जो निजी विद्यालयों में नामांकित हैं	% बच्चे (आयु 6-14) जो शुल्क देकर अतिरिक्त ट्यूशन ले रहे हैं	ट्यूशन पर औसतन खर्च रुपये प्रति माह (आयु 6-14)	% बच्चे (कक्षा III-V) जो कक्षा I के स्तर का पाठ या उससे अधिक पढ़ सकते हैं	% बच्चे (कक्षा III-V) जो घटाव या उससे अधिक कर सकते हैं	% बच्चे (कक्षा VI-VIII) जो कक्षा II के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं	% बच्चे (कक्षा VI-VIII) जो भाग कर सकते हैं
आन्ध्र प्रदेश	2.8	34.0	12.8	105	68.3	57.6	72.3	51.9
असम	3.8	17.1	17.7	315	46.4	30.1	52.6	19.0
बिहार	3.5	8.4	52.2	140	47.9	41.1	66.1	54.5
छत्तीसगढ़	2.3	15.9	2.8	185	53.8	27.7	72.3	26.9
गुजरात	3.0	15.1	14.8	184	59.2	32.3	67.8	26.8
हरियाणा	1.3	51.4	14.5	276	72.5	62.7	78.9	58.4
हिमाचल प्रदेश	0.8	33.9	7.7	262	78.5	65.3	86.4	59.1
जम्मू और कश्मीर	1.8	45.5	16.3	367	63.6	53.6	60.9	35.8
झारखंड	3.8	15.7	29.7	131	45.4	34.9	61.0	42.8
कर्नाटक	1.8	22.5	8.9	121	56.6	45.0	63.1	37.4
केरल	0.1	68.6	26.2	231	77.8	60.6	87.9	56.0
मध्य प्रदेश	3.5	20.3	8.1	161	38.1	22.3	51.2	25.2
महाराष्ट्र	1.6	37.5	10.2	213	70.3	31.7	72.5	28.9
मणिपुर	1.5	70.5	38.9	345	78.7	67.2	83.1	62.6
मेघालय	4.1	45.3	13.3	240	80.0	46.9	78.0	29.5
मिज़ोरम	0.4	32.4	3.7	305	80.2	77.8	82.5	72.3
नागालैंड	1.2	39.4	16.7	276	75.8	57.0	72.6	43.7
उड़ीशा	3.3	7.3	51.2	157	55.6	38.3	63.3	34.9
पुदुच्चेरी	0.6	54.3	37.6	137	51.9	41.2	49.8	35.0
पंजाब	1.4	46.7	23.0	260	72.3	66.6	82.0	61.7
राजस्थान	5.8	39.5	5.6	258	52.8	37.4	70.1	42.6
सिक्किम	1.3	23.1	30.6	360	75.2	72.3	77.4	63.3
तमिल नाडू	0.6	26.8	14.5	82	50.2	39.2	56.9	30.9
त्रिपुरा	1.1	6.7	65.8	309	53.6	41.6	55.3	28.2
उत्तर प्रदेश	5.1	49.0	14.5	174	47.8	36.0	62.8	37.6
उत्तराखंड	1.9	39.4	18.5	210	64.2	45.1	76.2	47.8
पश्चिम बंगाल	3.1	7.0	73.9	178	59.1	43.6	66.1	33.7
संपूर्ण भारत	**3.3**	**29.0**	**24.1**	**169**	**54.8**	**39.7**	**65.7**	**38.9**